SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 01 (Apr-Jun 2000)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक 2000
एक
अप्रैल-जून

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

सह-सम्पादक
अरविन्द त्रिपाठी

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

पुनर्नवता : **नामवर सिंह** 5

जब जुल्म बारिश की तरह आता है : **बर्टोल्ट ब्रेष्ट** *(अनुवाद : अरुण कमल)* 11

फासीवादी विमर्श

क्रान्तिकारी वामपन्थी शक्तियों की जरूरत : **रविभूषण** 15
भारत में फासीवाद का खतरा : **खगेन्द्र ठाकुर** 25
फासीवाद का भारतीय अवतार : **प्रभाष जोशी** 36
भारतीय फासीवाद के सामाजिक आधार : **राजकिशोर** 43
फासीवाद : आहटें आसपास : **प्रदीप सक्सेना** 49
वैश्वीकरण के तकाजे और फासीवाद : **जितेन्द्र भाटिया** 65
वैचारिक शून्य में पनपता है फासीवाद : **राजेन्द्र यादव** 71
राष्ट्रवाद का विकृत रूप है फासीवाद : **हरबंस मुखिया** 76
फासीवाद और राष्ट्रीय संस्कृति : **एजाज़ अहमद** *(अनुवाद : प्रियदर्शन)* 79
आर्थिक उदारीकरण : फासीवाद के खुलते दरवाजे : **अरुण कुमार** 94
प्रतिगामी सांस्कृतिक अभियान : प्रतिरोध की रणनीति : **पूरन चंद्र जोशी** 96

फासीवाद और साहित्य

हिन्दी रचना जगत और जातीय स्मृति का छद्म : **मुद्राराक्षस** 109
अजाने बचे हुए अँधेरों से : **सुधीर चंद्र** 117
पवित्र जगह से वंचित : **मंगलेश डबराल** 121
फासीवाद की चौतरफा आहटें : **कृष्णा सोबती** 125
फासीवाद से संघर्ष के लिए जरूरी है सुदृढ़ जनतंत्र : **भीष्म साहनी** 127
फासीवाद का नया चेहरा : **कमला प्रसाद** 129
नवफासीवाद की चुनौतियाँ और उपभोक्तावाद : **राजेन्द्र कुमार** 137

कलाएँ और मीडिया

फासीवाद और सिनेमा : **विष्णु खरे** 141
संस्कृति का संकीर्ण वर्चस्ववाद : **देवेन्द्र राज अंकुर** 148
एक हथियार के रूप में पेंटिंग : **विनोद भारद्वाज** 152
क्या कहूँ आज जो नहीं कही : **मृणाल पांडे** 156
अभिव्यक्ति के खतरे उठाकर : **गोविन्द पुरुषोत्तम देशपांडे** से *सुमन केशरी* की बातचीत 160
धर्म की राजनीति और औरत : **तहमीना दुर्रानी** *(प्रस्तुति : अनामिका)* 169
हॉप्टमैन हाय ! : **अल्फ्रेड केर** *(अनुवाद : अरुण कमल)* 177
निरंकुश परिवार में यौनार्थिक पूर्वधारणाएँ : फासिज्म
का जन-मनोविज्ञान : **विल्हैम राइश** *(अनुवाद और प्रस्तुति : सुधीश पचौरी)* 179

कविताएँ

पद-कुपद *और* कुछ कविताएँ : **अष्टभुजा शुक्ल** 189

सृजन-परिदृश्य

सिर्फ 'उन्माद' नहीं है फासीवाद : **वीरेन्द्र यादव** 197
सैद्धान्तिकी और लेखन की एक पुनश्चर्या : **ललित कार्तिकेय** 207
राष्ट्रीय विघटन पर एक और शोकगीत : **परमानन्द श्रीवास्तव** 214
दक्षिणपन्थी सूर्योदय में वामपन्थी ग्रहण '...और अन्त में प्रार्थना' : **शंभु गुप्त** 221
हिन्दूवादी राजनीति की पहचान : **रवीन्द्र त्रिपाठी** 238
आज का पाठ तथा अन्य कहानियाँ : **सुशील सिद्धार्थ** 241
अपने समय का मेटाफर खोजती कविता : **राजेश जोशी** 246
हर समय के समानान्तर चलता है कोई और समय : **विजय कुमार** 250
नींद का स्वातन्त्र्य : **सत्यपाल सहगल** 257
यह ऊब है जिसे हवा कहा जा रहा है : **अरविन्द त्रिपाठी** 267

छह सौ साल बाद कबीर

कबीर और आज का समय : **मैनेजर पांडेय** 275
कबीर से मेरा नाता : **पुरुषोत्तम अग्रवाल** 282
कुछ कबीर की कुछ अपनी : **भगवान सिंह** 291
दलित आत्मपहचान की लड़ाई और कबीर : **शम्भुनाथ** 304
कबीर को भगवा ? : **नामवर सिंह** 310